जाप साहिब

स्री वाहिगुरू जी की फ़तह ॥

जापु ॥

स्री मुखवाक पातिसाही १० ॥

छपै छंद ॥ त्वप्रसादि ॥
चक्र चिहन अरु बरन जाति अरु पाति नहिन जिह ॥
रूप रंग अरु रेख भेख कोऊ कहि न सकति किह ॥
अचल मूरति अनभउ प्रकास अमितोजि कहिजै ॥
कोटि इंद्र इंद्राणि साहु साहाणि गणिजै ॥
त्रिभवण महीप सुर नर असुर नेति नेति बन त्रिण कहत ॥
त्व सरब नाम कथै कवन करम नाम बरणत सुमति ॥१॥

भुजंग प्रयात छंद ॥ नमसत्वं अकाले ॥
नमसत्वं क्रिपाले ॥ नमसत्वं अरूपे ॥
नमसत्वं अनूपे ॥२॥

नमसतं अभेखे ॥ नमसतं अलेखे ॥
नमसतं अकाए ॥ नमसतं अजाए ॥३॥

नमसतं अगंजे ॥ नमसतं अभंजे ॥
नमसतं अनामे ॥ नमसतं अठामे ॥४॥

नमसतं अकरमं ॥ नमसतं अधरमं ॥
नमसतं अनामं ॥ नमसतं अधामं ॥५॥

नमसतं अजीते ॥ नमसतं अभीते ॥
नमसतं अबाहे ॥ नमसतं अढाहे ॥६॥

नमसतं अनीले ॥ नमसतं अनादे ॥
नमसतं अछेदे ॥ नमसतं अगाधे ॥७॥

NITNEMPATH.COM

Downloaded from NitnemPath.com website.

नमसतं अगंजे ॥ नमसतं अभंजे ॥
नमसतं उदारे ॥ नमसतं अपारे ॥८॥

नमसतं सु एकै ॥ नमसतं अनेकै ॥
नमसतं अभूते ॥ नमसतं अजूपे ॥९॥

नमसतं त्रिकरमे ॥ नमसतं त्रिभरमे ॥
नमसतं त्रिदेसे ॥ नमसतं त्रिभेसे ॥१०॥

नमसतं त्रिनामे ॥ नमसतं त्रिकामे ॥
नमसतं त्रिधाते ॥ नमसतं त्रिघाते ॥११॥

नमसतं त्रिधूते ॥ नमसतं अभूते ॥
नमसतं अलोके ॥ नमसतं असोके ॥१२॥

नमसतं त्रितापे ॥ नमसतं अथापे ॥
नमसतं त्रिमाने ॥ नमसतं निधाने ॥१३॥

नमसतं अगाहे ॥ नमसतं अबाहे ॥
नमसतं त्रिबरगे ॥ नमसतं असरगे ॥१४॥

नमसतं प्रभोगे ॥ नमसतं सुजोगे ॥
नमसतं अरंगे ॥ नमसतं अभंगे ॥१५॥

नमसतं अगमे ॥ नमसतसतु रमे ॥
नमसतं जलासरे ॥ नमसतं निरासरे ॥१६॥

नमसतं अजाते ॥ नमसतं अपाते ॥
नमसतं अमजबे ॥ नमसतसतु अजबे ॥१७॥

नमसतं अभेसे ॥ नमसतं त्रिधामे ॥
नमसतं त्रिबामे ॥१८॥

नमो सरब काले ॥ नमो सरब दिआले ॥
नमो सरब रूपे ॥ नमो सरब भूपे ॥१९॥

NITNEMPATH.COM

Downloaded from NitnemPath.com website.

नमो सरब खापे ॥ नमो सरब थापे ॥
नमो सरब काले ॥ नमो सरब पाले ॥२०॥

नमसतसतु देवै ॥ नमसतं अभेवै ॥
नमसतं अजनमे ॥ नमसतं सुबनमे ॥२१॥

नमो सरब गउने ॥ नमो सरब भउने ॥
नमो सरब रंगे ॥ नमो सरब भंगे ॥२२॥

नमो काल काले ॥ नमसतसतु दिआले ॥
नमसतं अबरने ॥ नमसतं अमरने ॥२३॥

नमसतं जरारं ॥ नमसतं क्रितारं ॥
नमो सरब धंधे ॥ नमो सत अबंधे ॥२४॥

नमसतं न्रिसाके ॥ नमसतं न्रिबाके ॥
नमसतं रहीमे ॥ नमसतं करीमे ॥२५॥

नमसतं अनंते ॥ नमसतं महंते ॥
नमसतसतु रागे ॥ नमसतं सुहागे ॥२६॥

नमो सरब सोखं ॥ नमो सरब पोखं ॥
नमो सरब करता ॥ नमो सरब हरता ॥२७॥

नमो जोग जोगे ॥ नमो भोग भोगे ॥
नमो सरब दिआले ॥ नमो सरब पाले ॥२८॥

चाचरी छंद ॥ त्वप्रसादि ॥
अरूप हैं ॥ अनूप हैं ॥
अजू हैं ॥ अभू हैं ॥२९॥

अलेख हैं ॥ अभेख हैं ॥
अनाम हैं ॥ अकाम हैं ॥३०॥

अधे हैं ॥ अभे हैं ॥

NITNEMPATH.COM

Downloaded from NitnemPath.com website.

अजीत हैं ॥ अभीत हैं ॥३१॥

त्रिमान हैं ॥ निधान हैं ॥
त्रिबरग है ॥ असरग हैं ॥३२॥

अनील हैं ॥ अनादि हैं ॥
अजे हैं ॥ अजादि हैं ॥३३॥

अजनम हैं ॥ अबरन हैं ॥
अभूत हैं ॥ अभरन हैं ॥३४॥

अगंज हैं ॥ अभंज हैं ॥
अझूझ हैं ॥ अझंझ हैं ॥३५॥

अमीक हैं ॥ रफ़ीक हैं ॥
अधंध हैं ॥ अबंध हैं ॥३६॥

त्रिबूझ हैं ॥ असूझ हैं ॥
अकाल हैं ॥ अजाल हैं ॥३७॥

अलाह हैं ॥ अजाह हैं ॥
अनंत हैं ॥ महंत हैं ॥३८॥

अलीक हैं ॥ त्रिस्रीक हैं ॥
त्रिल्मभ हैं ॥ अस्मभ हैं ॥३९॥

अगम हैं ॥ अजम हैं ॥
अभूत हैं ॥ अछूत हैं ॥४०॥

अलोक हैं ॥ असोक हैं ॥
अकरम हैं ॥ अभरम हैं ॥४१॥

अजीत हैं ॥ अभीत हैं ॥
अबाह हैं ॥ अगाह हैं ॥४२॥

NITNEMPATH.COM

Downloaded from NitnemPath.com website.

अमान हैं ॥ निधान हैं ॥
अनेक हैं ॥ फिरि एक हैं ॥४३॥

भुजंग प्रयात छंद ॥ नमो सरब माने ॥
समसती निधाने ॥ नमो देव देवे ॥
अभेखी अभेवे ॥४४॥

नमो काल काले ॥ नमो सरब पाले ॥
नमो सरब गउणे ॥ नमो सरब भउणे ॥४५॥

अनंगी अनाथे ॥ ब्रिसंगी प्रमाथे ॥
नमो भान भाने ॥ नमो मान माने ॥४६॥

नमो चंद्र चंद्रे ॥ नमो भान भाने ॥
नमो गीत गीते ॥ नमो तान ताने ॥४७॥

नमो ब्रित न्रिते ॥ नमो नाद नादे ॥
नमो पान पाने ॥ नमो बाद बादे ॥४८॥

अनंगी अनामे ॥ समसती सरूपे ॥
प्रभंगी प्रमाथे ॥ समसती बिभूते ॥४९॥

कलंकं बिना नेकलंकी सरूपे ॥
नमो राज राजेस्वरं परम रूपे ॥५०॥

नमो जोग जोगेस्वरं परम स्रिधे ॥
नमो राज राजेस्वरं परम ब्रिधे ॥५१॥

नमो ससत्र पाणे ॥ नमो असत्र माणे ॥
नमो परम गिआता ॥ नमो लोक माता ॥५२॥

अभेखी अभरमी अभोगी अभुगते ॥
नमो जोग जोगेस्वरं परम जुगते ॥५३॥

नमो न्रित नाराइणे करूर करमे ॥

NITNEMPATH.COM

Downloaded from NitnemPath.com website.

नमो प्रेत अप्रेत देवे सुधरमे ॥५४॥

नमो रोग हरता ॥ नमो राग रूपे ॥
नमो साह साहं ॥ नमो भूप भूपे ॥५५॥

नमो दान दाने ॥ नमो मान माने ॥
नमो रोग रोगे ॥ नमसतं सनाने ॥५६॥

नमो मंत्र मंत्रं ॥ नमो जंत्र जंत्रं ॥
नमो इसट इसटे ॥ नमो तंत्र तंत्रं ॥५७॥

सदा स्चदानंद सरबं प्रणासी ॥
अनूपे अरूपे समसतुल निवासी ॥५८॥

सदा सिधिदा बुधिदा ब्रिधि करता ॥
अधो उरध अरधं अघं ओघ हरता ॥५९॥

परं परम परमेस्वरं प्रोछ पालं ॥
सदा सरबदा सिधि दाता दिआलं ॥६०॥

अछेदी अभेदी अनामं अकामं ॥
समसतो पराजी समसतसतु धामं ॥६१॥

तेरा जोरु ॥ चाचरी छंद ॥ जले हैं ॥
थले हैं ॥ अभीत हैं ॥ अभे हैं ॥६२॥

प्रभू हैं ॥ अजू हैं ॥
अदेस हैं ॥ अभेस हैं ॥६३॥

भुजंग प्रयात छंद ॥
अगाधे अबाधे ॥ अनंदी सरूपे ॥
नमो सरब माने ॥ समसती निधाने ॥६४॥

नमसत्वं ब्रिनाथे ॥ नमसत्वं प्रमाथे ॥
नमसत्वं अगंजे ॥ नमसत्वं अभंजे ॥६५॥

NITNEMPATH.COM

Downloaded from NitnemPath.com website.

नमसत्वं अकाले ॥ नमसत्वं अपाले ॥
नमो सरब देसे ॥ नमो सरब भेसे ॥६६॥

नमो राज राजे ॥ नमो साज साजे ॥
नमो साह साहे ॥ नमो माह माहे ॥६७॥

नमो गीत गीते ॥ नमो प्रीति प्रीते ॥
नमो रोख रोखे ॥ नमो सोख सोखे ॥६८॥

नमो सरब रोगे ॥ नमो सरब भोगे ॥
नमो सरब जीतं ॥ नमो सरब भीतं ॥६९॥

नमो सरब गिआनं ॥ नमो परम तानं ॥
नमो सरब मंत्रं ॥ नमो सरब जंत्रं ॥७०॥

नमो सरब द्रिसं ॥ नमो सरब क्रिसं ॥
नमो सरब रंगे ॥ त्रिभंगी अनंगे ॥७१॥

नमो जीव जीवं ॥ नमो बीज बीजे ॥
अखि्जे अभि्जे ॥ समसतं प्रसि्जे ॥७२॥

क्रिपालं सरूपे ॥ कुकरमं प्रणासी ॥
सदा सरबदा रिधि सिधं निवासी ॥७३॥

चरपट छंद ॥ त्वप्रसादि ॥
अम्रित करमे ॥ अमब्रित धरमे ॥
अखिल जोगे ॥ अचल भोगे ॥७४॥

अचल राजे ॥ अटल साजे ॥
अखल धरमं ॥ अलख करमं ॥७५॥

सरबं दाता ॥ सरबं गिआता ॥
सरबं भाने ॥ सरबं माने ॥७६॥

NITNEMPATH.COM

Downloaded from NitnemPath.com website.

सरबं प्राणं ॥ सरबं त्राणं ॥
सरबं भुगता ॥ सरबं जुगता ॥७७॥

सरबं देवं ॥ सरबं भेवं ॥
सरबं काले ॥ सरबं पाले ॥७८॥

रूआल छंद ॥ त्वप्रसादि ॥
आदि रूप अनादि मूरति अजोनि पुरख अपार ॥
सरब मान त्रिमान देव अभेव आदि उदार ॥
सरब पालक सरब घालक सरब को पुनि काल ॥
ज्त्र त्त्र बिराजही अवधूत रूप रिसाल ॥७९॥

नाम ठाम न जाति जाकर रूप रंग न रेख ॥
आदि पुरख उदार मूरति अजोनि आदि असेख ॥
देस अउर न भेस जाकर रूप रेख न राग ॥
जत्र तत्र दिसा विसा हुइ फैलिओ अनुराग ॥८०॥

नाम काम बिहीन पेखत धाम हूं नहि जाहि ॥
सरब मान सरब्त्र मान सदैव मानत ताहि ॥
एक मूरति अनेक दरसन कीन रूप अनेक ॥
खेल खेलि अखेल खेलन अंत को फिरि एक ॥८१॥

देव भेव न जानही जिह बेद अउर कतेब ॥
रूप रंग न जाति पाति सु जानई किह जेब ॥
तात मात न जात जाकर जनम मरन बिहीन ॥
चक्र ब्क्र फिरै चतुर चकि मान ही पुर तीन ॥८२॥

लोक चउदह के बिखै जग जाप ही जिह जापु ॥
आदि देव अनादि मूरति थापिओ सबै जिह थापु ॥
परम रूप पुनीत मूरति पूरन पुरख अपार ॥
सरब बिस्व रचिओ सुय्मभव गड़न भंजनहार ॥८३॥

काल हीन कला संजुगति अकाल पुरख अदेस ॥
धरम धाम सु भरम रहत अभूत अलख अभेस ॥

Downloaded from NitnemPath.com website.

अंग राग न रंग जा कहि जाति पाति न नाम ॥
गरब गंजन दुसट भंजन मुकति दाइक काम ॥८४॥

आप रूप अमीक अनउसतति एक पुरख अवधूत ॥
गरब गंजन सरब भंजन आदि रूप असूत ॥
अंह हीन अभंग अनातम एक पुरख अपार ॥
सरब लाइक सरब घाइक सरब को प्रतिपार ॥८५॥

सरब गंता सरब हंता सरब ते अनभेख ॥
सरब सासत्र न जानही जिह रूप रंगु अरु रेख ॥
परम बेद पुराण जाकहि नेति भाखत नित ॥
कोटि सिम्रित पुरान सासत्र न आवई वहु चि्त ॥८६॥

मधुभार छंद ॥ त्वप्रसादि ॥
गुन गन उदार ॥ महिमा अपार ॥
आसन अभंग ॥ उपमा अनंग ॥८७॥

अनभउ प्रकास ॥ निस दिन अनास ॥
आजानु बाहु ॥ साहानु साहु ॥८८॥

राजान राज ॥ भानान भान ॥
देवान देव ॥ उपमा महान ॥८९॥

इंद्रान इंद्र ॥ बालान बाल ॥
रंकान रंक ॥ कालान काल ॥९०॥

अनभूत अंग ॥ आभा अभंग ॥
गति मिति अपार ॥ गुन गन उदार ॥९१॥

मुनि गन प्रनाम ॥ निरभै निकाम ॥
अति दुति प्रचंड ॥ मित गति अखंड ॥९२॥

आलिस्य करम ॥ आद्रिस्य धरम ॥
सरबा भरणाढय ॥ अनडंड बाढय ॥९३॥

NITNEMPATH.COM

Downloaded from NitnemPath.com website.

चाचरी छंद ॥ त्वप्रसादि ॥
गुबिंदे ॥ मुकंदे ॥ उदारे ॥ अपारे ॥९४॥

हरीअं ॥ करीअं ॥ त्रिनामे ॥ अकामे ॥९५॥

भुजंग प्रयात छंद ॥ चत्र चक्र करता ॥
चत्र चक्र हरता ॥ चत्र चक्र दाने ॥
चत्र चक्र जाने ॥९६॥

चत्र चक्र वरती ॥ चत्र चक्र भरती ॥
चत्र चक्र पाले ॥ चत्र चक्र काले ॥९७॥

चत्र चक्र पासे ॥ चत्र चक्र वासे ॥
चत्र चक्र मानयै ॥ चत्र चक्र दानयै ॥९८॥

चाचरी छंद ॥
न स्त्रै ॥ न मि्त्रै ॥ न भरमं ॥ न भि्त्रै ॥९९॥

न करमं ॥ न काए ॥ अजनमं ॥ अजाए ॥१००॥

न चि्त्रै ॥ न मि्त्रै ॥ परे हैं ॥ पवि्त्रै ॥१०१॥

प्रिथीसै ॥ अदीसै ॥ अद्रिसै ॥ अक्रिसै ॥१०२॥

भगवती छंद ॥ त्वप्रसादि कथते ॥
कि आछि्ज देसै ॥ कि आभि्ज भेसै ॥
कि आगंज करमै ॥ कि आभंज भरमै ॥१०३॥

कि आभिज लोकै ॥ कि आदित सोकै ॥
कि अवधूत बरनै ॥ कि बिभूत करनै ॥१०४॥

कि राजं प्रभा हैं ॥ कि धरमं धुजा हैं ॥
कि आसोक बरनै ॥ कि सरबा अभरनै ॥१०५॥

NITNEMPATH.COM

Downloaded from NitnemPath.com website.

कि जगतं क्रिती हैं ॥ कि छत्रं छत्री हैं ॥
कि ब्रहमं सरूपै ॥ कि अनभउ अनूपै ॥१०६॥

कि आदि अदेव हैं ॥ कि आपि अभेव हैं ॥
कि चि्त्रं बिहीनै ॥ कि एकै अधीनै ॥१०७॥

कि रोजी रजाकै ॥ रहीमै रिहाकै ॥
कि पाक बिऐब हैं ॥ कि गैबुल ग़ैब हैं ॥१०८॥

कि अफवुल गुनाह हैं ॥ कि शाहान शाह हैं ॥
कि कारन कुनिंद हैं ॥ कि रोज़ी दिहिंद हैं ॥१०९॥

कि राज़क रहीम हैं ॥ कि करमं करीम हैं ॥
कि सरबं कली हैं ॥ कि सरबं दली हैं ॥११०॥

कि सरब्त्र मानियै ॥ कि सरब्त्र दानियै ॥
कि सरब्त्र गउनै ॥ कि सरब्त्र भउनै ॥१११॥

कि सरब्त्र देसै ॥ कि सरब्त्र भेसै ॥
कि सरब्त्र राजै ॥ कि सरब्त्र साजै ॥११२॥

कि सरब्त्र दीनै ॥ कि सरब्त्र लीनै ॥
कि सरब्त्र जाहो ॥ कि सरब्त्र भाहो ॥११३॥

कि सरब्त्र देसै ॥ कि सरब्त्र भेसै ॥
कि सरब्त्र कालै ॥ कि सरब्त्र पालै ॥११४॥

कि सरब्त्र हंता ॥ कि सरब्त्र गंता ॥
कि सरब्त्र भेखी ॥ कि सरब्त्र पेखी ॥११५॥

कि सरब्त्र काजै ॥ कि सरब्त्र राजै ॥
कि सरब्त्र सोखै ॥ कि सरब्त्र पोखै ॥११६॥

कि सरब्त्र त्राणै ॥ कि सरब्त्र प्राणै ॥
कि सरब्त्र देसै ॥ कि सरब्त्र भेसै ॥११७॥

NITNEMPATH.COM

Downloaded from NitnemPath.com website.

कि सरब्त्र मानियैं ॥ सदैवं प्रधानियैं ॥
कि सरब्त्र जापियै ॥ कि सरब्त्र थापियै ॥११८॥

कि सरब्त्र भानै ॥ कि सरब्त्र मानै ॥
कि सरब्त्र इंद्रै ॥ कि सरब्त्र चंद्रै ॥११९॥

कि सरबं कलीमै ॥ कि परमं फ़हीमै ॥
कि आकिल अलामै ॥ कि साहिब कलामै ॥१२०॥

कि हुसनल वजू हैं ॥ तमामुल रुजू हैं ॥
हमेसुल सलामै ॥ सलीखत मुदामैं ॥१२१॥

ग़नीमुल शिकसतै ॥ गरीबुल परसतै ॥
बिलंदुल मकानै ॥ ज़मीनुल ज़मानै ॥१२२॥

तमीज़ुल तमामैं ॥ रुजूअल निधानैं ॥
हरीफ़ुल अजीमैं ॥ रज़ाइक यकीनै ॥१२३॥

अनेकुल तरंग हैं ॥ अभेद हैं अभंग हैं ॥
अज़ीज़ुल निवाज़ हैं ॥ ग़नीमुल खिराज हैं ॥१२४॥

निरुकत सरूप हैं ॥ त्रिमुकति बिभूत हैं ॥
प्रभुगति प्रभा हैं ॥ सुजुगति सुधा हैं ॥१२५॥

सदैवं सरूप हैं ॥ अभेदी अनूप हैं ॥
समसतो पराज हैं ॥ सदा सरब साज हैं ॥१२६॥

समसतुल सलाम हैं ॥ सदैवल अकाम हैं ॥
न्रिबाध सरूप हैं ॥ अगाध हैं अनूप हैं ॥१२७॥

ओअं आदि रूपे ॥ अनादि सरूपै ॥
अनंगी अनामे ॥ त्रिभंगी त्रिकामे ॥१२८॥

त्रिबरगं त्रिबाधे ॥ अगंजे अगाधे ॥

NITNEMPATH.COM

Downloaded from NitnemPath.com website.

सुभं सरब भागे ॥ सु सरबा अनुरागे ॥१२९॥

त्रिभुगत सरूप हैं ॥ अछ्रिज हैं अछूत हैं ॥
कि नरकं प्रणास हैं ॥ प्रिथीउल प्रवास हैं ॥१३०॥

निरुकति प्रभा हैं ॥ सदैवं सदा हैं ॥
बिभुगति सरूप है ॥ प्रजुगति अनूप हैं ॥१३१॥

निरुकति सदा हैं ॥ बिभुगति प्रभा हैं ॥
अनउकति सरूप हैं ॥ प्रजुगति अनूप हैं ॥१३२॥

चाचरी छंद ॥ अभंग हैं ॥ अनंग हैं ॥
अभेख हैं ॥ अलेख हैं ॥१३३॥

अभरम हैं ॥ अकरम हैं ॥
अनादि हैं ॥ जुगादि हैं ॥१३४॥

अजै हैं ॥ अबै हैं ॥
अभूत हैं ॥ अधूत हैं ॥१३५॥

अनास हैं ॥ उदास हैं ॥
अधंध हैं ॥ अबंध हैं ॥१३६॥

अभगत हैं ॥ बिरकत हैं ॥
अनास हैं ॥ प्रकास हैं ॥१३७॥

निचिंत हैं ॥ सुनिंत हैं ॥
अल्रिख हैं ॥ अद्रिख हैं ॥१३८॥

अलेख हैं ॥ अभेख हैं ॥
अढाह हैं ॥ अगाह हैं ॥१३९॥

अस्मभ हैं ॥ अग्मभ हैं ॥
अनील हैं ॥ अनादि हैं ॥१४०॥

NITNEMPATH.COM

Downloaded from NitnemPath.com website.

अनित हैं ॥ सुनित हैं ॥
अजात हैं ॥ अजादि हैं ॥१४१॥

चरपट छंद ॥ त्वप्रसादि ॥
सरबं हंता ॥ सरब गंता ॥
सरबं खिआता ॥ सरबं गिआता ॥१४२॥

सरबं हरता ॥ सरबं करता ॥
सरबं प्राणं ॥ सरबं त्राणं ॥१४३॥

सरबं करमं ॥ सरबं धरमं ॥
सरबं जुगता ॥ सरबं मुकता ॥१४४॥

रसावल छंद ॥ त्वप्रसादि ॥
नमो नरक नासे ॥ सदैवं प्रकासे ॥
अनंगं सरूपे ॥ अभंगं बिभूते ॥१४५॥

प्रमाथं प्रमाथे ॥ सदा सरब साथे ॥
अगाध सरूपे ॥ न्रिबाध बिभूते ॥१४६॥

अनंगी अनामे ॥
त्रिभंगी त्रिकामे ॥
न्रिभंगी सरूपे ॥
सरबंगी अनूपे ॥१४७॥

न पोत्रै न पुत्रै ॥ न सत्रै न मित्रै ॥
न तातै न मातै ॥ न जातै न पातै ॥१४८॥

न्रिसाकं सरीक हैं ॥ अमितो अमीक हैं ॥
सदैवं प्रभा हैं ॥ अजै हैं अजा हैं ॥१४९॥

भगवती छंद ॥ त्वप्रसादि ॥
कि ज़ाहिर ज़हूर हैं ॥ कि हाज़िर हज़ूर हैं ॥
हमेसुल सलाम हैं ॥ समसतुल कलाम हैं ॥१५०॥

NITNEMPATH.COM

Downloaded from NitnemPath.com website.

कि साहिब दिमाग हैं ॥ कि हुसनल चराग हैं ॥
कि कामल करीम हैं ॥ कि राज़क रहीम हैं ॥१५१॥

कि रोज़ी दिहिंद हैं ॥ कि राज़क रहिंद हैं ॥
करीमुल कमाल हैं ॥ कि हुसनल जमाल हैं ॥१५२॥

ग़नीमुल ख़िराज हैं ॥ ग़रीबुल निवाज़ हैं ॥
हरफ़ुिल शिकंन हैं ॥ हिरासुल फिकंन हैं ॥१५३॥

कलंकं प्रणास हैं ॥ समसतुल निवास हैं ॥
अगंजुल गनीम हैं ॥ रजाइक रहीम हैं ॥१५४॥

समसतुल जुबां हैं ॥ कि साहिब किरां हैं ॥
कि नरकं प्रणास हैं ॥ बहिसतुल निवास हैं ॥१५५॥

कि सरबुल गवंन हैं ॥ हमेसुल रवंन हैं ॥
तमामुल तमीज हैं ॥ समसतुल अजीज हैं ॥१५६॥

परं परम ईस हैं ॥
समसतुल अदीस हैं ॥
अदेसुल अलेख हैं ॥
हमेसुल अभेख हैं ॥१५७॥

ज़मीनुल ज़मां हैं ॥ अमीकुल इमां हैं ॥
करीमुल कमाल हैं ॥ कि जुरअति जमाल हैं ॥१०हू५८॥

कि अचलं प्रकास हैं ॥ कि अमितो सुबास हैं ॥
कि अजब सरूप हैं ॥ कि अमितो बिभ ूत हैं ॥१५९॥

कि अमितो पसा हैं ॥ कि आतम प्रभा हैं ॥
कि अचलं अनंग हैं ॥ कि अमितो अभंग हैं ॥१६०॥

मधुभार छंद ॥ त्वप्रसादि ॥ मुनि मनि प्रनाम ॥ गुनि गन मुदाम ॥
अरि बर अगंज ॥ हरि नर प्रभंज ॥१६१॥

Downloaded from NitnemPath.com website.

अनगन प्रनाम ॥ मुनि मनि सलाम ॥
हरि नर अखंड ॥ बर नर अमंड ॥१६२॥

अनभव अनास ॥ मुनि मनि प्रकास ॥
गुनि गन प्रनाम ॥ जल थल मुदाम ॥१६३॥

अनिछ्ज अंग ॥ आसन अभंग ॥
उपमा अपार ॥ गति मिति उदार ॥१६४॥

जल थल अमंड ॥ दिस विस अभंड ॥
जल थल महंत ॥ दिस विस बिअंत ॥१६५॥

अनभव अनास ॥ ध्रित धर धुरास ॥
आजान बाहु ॥ एकै सदाहु ॥१६६॥

ओअंकार आदि ॥ कथनी अनादि ॥
खल खंड खिआल ॥ गुर बर अकाल ॥१६७॥

घर घरि प्रनाम ॥ चित चरन नाम ॥
अनिछ्ज गात ॥ आजिज न बात ॥१६८॥

अनझंझ गात ॥ अनरंज बात ॥
अनटुट तंडार ॥ अनठट अपार ॥१६९॥

आडीठ धरम ॥ अति ढीठ करम ॥
अणब्रण अनंत ॥ दाता महंत ॥१७०॥

हरि बोल मना छंद ॥ त्वप्रसादि ॥
करुणालय हैं ॥ अरि घालय हैं ॥
खल खंडन हैं ॥ महि मंडन हैं ॥१७१॥

जगतेस्वर हैं ॥ परमेस्वर हैं ॥
कलि कारण हैं ॥ सरब उबारण हैं ॥१७२॥

NITNEMPATH.COM

Downloaded from NitnemPath.com website.

ध्रित के ध्रण हैं ॥ जग के क्रण हैं ॥
मन मानिय हैं ॥ जग जानिय हैं ॥१७३॥

सरबं भर हैं ॥ सरबं कर हैं ॥
सरब पासिय हैं ॥ सरब नासिय हैं ॥१७४॥

करुणाकर हैं ॥ बिस्व्मभर हैं ॥
सरबेस्वर हैं ॥ जगतेस्वर हैं ॥१७५॥

ब्रहमंडस हैं ॥ खल खंडस हैं ॥
पर ते पर हैं ॥ करुणाकर हैं ॥१७६॥

अजपा जप हैं ॥ अथपा थप हैं ॥
अक्रिताक्रित हैं ॥ अम्रिताम्रित हैं ॥१७७॥

अम्रिताम्रित हैं ॥ करुणाक्रित हैं ॥
अक्रिताक्रत हैं ॥ धरणीध्रित हैं ॥१७८॥

अम्रितेस्वर हैं ॥ परमेस्वर हैं ॥
अक्रिताक्रित हैं ॥ अम्रिताम्रित हैं ॥१७९॥

अजबाक्रित हैं ॥ अम्रिताअम्रित हैं ॥
नर नाइक हैं ॥ खल घाइक हैं ॥१८०॥

बिस्व्मभर हैं ॥ करुणालय हैं ॥
न्रिप नाइक हैं ॥ सरब पाइक हैं ॥१८१॥

भव भंजन हैं ॥ अरि गंजन हैं ॥
रिपु तापन हैं ॥ जपु जापन हैं ॥१८२॥

अकलंक्रित हैं ॥ सरबाक्रित हैं ॥
करता कर हैं ॥ हरता हरि हैं ॥१८३॥

परमातम हैं ॥ सरबातम हैं ॥
आतम बस हैं ॥ जस के जस हैं ॥१८४॥

NITNEMPATH.COM

Downloaded from NitnemPath.com website.

भुजंग प्रयात छंद ॥
नमो सूरज सुरजे नमो चंद्र चंद्रे ॥
नमो राज राजे नमो इंद्र इंद्रे ॥
नमो अंधकारे नमो तेज तेजे ॥
नमो ब्रिंद ब्रिंदे नमो बीज बीजे ॥१८५॥

नमो राजसं तामसं सांति रूपे ॥
नमो परम त्तं अततं सरूपे ॥
नमो जोग जोगे नमो गिआन गिआने ॥
नमो मंत्र मंत्रे नमो धिआन धिआने ॥१८६॥

नमो जुध जुधे नमो गिआन गिआने ॥
नमो भोज भोजे नमो पान पाने ॥
नमो कलह करता नमो सांति रूपे ॥
नमो इंद्र इंद्रे अनादं बिभूते ॥१८७॥

कलंकार रूपे अलंकार अलंके ॥
नमो आस आसे नमो बांक बंके ॥
अभंगी सरूपे अनंगी अनामे ॥
त्रिभंगी त्रिकाले अनंगी अकामे ॥१८८॥

एक अछरी छंद ॥
अजै ॥ अलै ॥ अभै ॥ अबै ॥१८९॥
अभू ॥ अजू ॥ अनास ॥ अकास ॥१९०॥
अगंज ॥ अभंज ॥ अलख ॥ अभख ॥१९१॥
अकाल ॥ दिआल ॥ अलेख ॥ अभेख ॥१९२॥
अनाम ॥ अकाम ॥ अगाह ॥ अढाह ॥१९३॥
अनाथे ॥ प्रमाथे ॥ अजोनी ॥ अमोनी ॥१९४॥
न रागे ॥ न रंगे ॥ न रूपे ॥ न रेखे ॥१९५॥
अकरमं ॥ अभरमं ॥ अगंजे ॥ अलेखे ॥१९६॥

भुजंग प्रयात छंद ॥

NITNEMPATH.COM

Downloaded from NitnemPath.com website.

नमसतुल प्रणामे समसतुल प्रणासे ॥
अगंजुल अनामे समसतुल निवासे ॥
न्निकामं बिभूते ॥ समसतुल सरूपे ॥
कुकरमं प्रणासी सुधरमं बिभूते ॥१९७॥

सदा स्चिदानंद स्त्रं प्रणासी ॥
करीमुल कुनिंदा समसतुल निवासी ॥
अजाइब बिभूते गजाइब गनीमे ॥
हरीअं करीअं करीमुल रहीमे ॥१९८॥

च्त्र च्क्र वरती च्त्र च्क्र भुगते ॥
सुय्मभव सुभं सरबदा सरब जुगते ॥
दुकालं प्रणासी दिआलं सरूपे ॥
सदा अंग संगे अभंगं बिभूते ॥१९९॥

NITNEMPATH.COM

Downloaded from NitnemPath.com website.